



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4]

नई दिल्ली, इनिवार, जनवरी 4, 1986/पौष 14, 1907

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4, 1986/PAUSA 14, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1985

का. आ. 4 (अ) — जब कि केंद्रीय सरकार ने, परम्परगत कलाओं,
शिल्पकलाओं, इत्यादि और आधुनिकों से सम्बन्धित उन मानवय कलाकृतियों
के कलात्मक और सौन्दर्यपरक भूत्त्व के महत्व में विचार करने नशा
उभ पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक समिति गठित कर, है, (इसके
बाद उसका “उत्तर समिति” के रूप में उल्लेख किया जाएगा), जिन्हें
भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) दिनांक
30 दिसम्बर, 1986 में प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधि-
सूचना सं. सा. का. नि. 743 (अ), दिनांक 30 दिसम्बर, 1986
के द्वारा बहुमूल्य कलाकृति के रूप में घोषित किए जाने का प्रस्ताव है

और जबकि उक्त समिति का कार्यकाल भवित का राजपत्र, असा-
धारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) दिनांक 3 दिसम्बर, 1983
में प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. का. आ.
843 (इ.), दिनांक 3 दिसम्बर, 1983 द्वारा, 30 दिसम्बर, 1983
से एक वर्ष के लिए और बढ़ाया गया था;

और जबकि उक्त समिति का कार्यकाल, भारत का राजपत्र, असा-
धारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii), दिनांक 30 दिसम्बर, 1984
में प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. का. आ.

979 (इ.) दिनांक 29 दिसम्बर, 1984 द्वारा, 30 दिसम्बर, 1984
से फिर एक वर्ष के लिए और बढ़ाया गया था,

और जबकि उक्त समिति का कार्यकाल 29 दिसम्बर, 1985 को
समाप्त होने वाला है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम
1972 (1972 का 52) की द्वारा 2 के उप-धारा (1) के खण्ड
(अ) के माध्य पठिन पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति नियमावली, 1973
के नियम 2 के अनुसार उक्त समिति के कार्यकाल
को 30 दिसम्बर, 1985 से और एक वर्ष की अवधि के लिए
बढ़ाया जाएगा।

[सं. 1/23/76-पु.ज.]

डा. एम. एम. नागराज राज, महानिदेशक

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1985

S.O. 4(E).—Whereas the Central Government has
constituted a Committee for considering and sub-
mitting a report on the artistic and aesthetic value
of human works of art relating to traditional arts,

crafts, gems and jewellery proposed to be declared as art treasures (hereinafter referred to as "the said Committee") by the notification of the Archaeological Survey of India No. G.S.R. 723(E), dated the 30th December, 1980, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 30th December, 1980:

And whereas the term of the said Committee was extended for one year more from the 30th December, 1983, by the notification of the Archaeological Survey of India, No. S.O. 883(E), dated the 3rd December, 1983, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 3rd December, 1983;

And whereas the term of the said Committee was further extended for one year more from the 30th December, 1984, by the notification of the Archaeological Survey of India No. S.O. 979(E), dated the

29th December, 1984, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 29th December, 1984;

And whereas the term of the said Committee is due to expire on the 29th December, 1985;

Now, therefore, in pursuance of rule 2A of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, read with clause (b) of sub-section (1) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government hereby further extends the term of the said Committee by a further period of one year with effect from the 30th December, 1985

[No. 1/23/76-Ant.]

DR. M. S. NAGARAJA RAO, Director General